

शनिवार

23 दिसंबर 2023

कैशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शहबाद ■ मगध

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

उच्चस्तरीय बैठक कर सीएम नीतीश ने दिए निर्देश कोरोना से घबराएं नहीं सभी सजग व सतर्क रहें

- ♦ बिहार में कोरोना के दो संक्रमित मरीज मिलने के बाद नीतीश सरकार अलर्ट हो गई है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना में उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उद्देश्य कोरोना को लेकर की गई तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कोरोना की अवधारणा स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल में ओपरेटर के कई मामले देश में मिले हैं। बिहार में भी कोरोना के 2 ऐसे मामले आये हैं, जो राज्य में बाहर से आए लोगों में मिला है। उन्होंने बताया कि यह ओपरेटर बहुत घातक नहीं है। दोनों मरीज होम आसासेलेशन में हैं और स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना के इस नये ओपरेटर पर पूरी तरह सतर्क है और इसके बचाव के लिये सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं।
- ♦ सीएम ने अस्पतालों में दवा, बेड, ऑक्सीजन की उपलब्धता रखने का दिया निर्देश



सीएम का निर्देश

भीड़भाड़ वाली जगहों पर लगाएं मास्क

- ⇒ देश के कई राज्यों में कोविड के बढ़ते मामले को देखते हुए आरटीपीआर जांच की संख्या और बढ़ायें।
 - ⇒ कोविड के निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप अस्पतालों में दवा, उपकरण, बेड, ऑक्सीजन की उपलब्धता रखें।
 - ⇒ अस्पतालों में सभी लोग मारक का उपयोग करें।
 - ⇒ कोविड समुचित व्यवहार सुनिश्चित करें हेतु सोशल मैट्रिक्स एवं अन्य प्रवार माध्यमों से लोगों को कोरोना के प्रति सतर्क एवं जागरूक करें।
 - ⇒ लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं, सजग एवं सतर्क रहें।
- उपकरण, बेड, ऑक्सीजन, मानव बल एवं अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं की उपलब्धता रखें। उन्होंने कहा कि कोविड सुमुचित व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु सोशल मैट्रिक्स एवं अन्य प्रवार माध्यमों से लोगों को कोरोना के प्रति सतर्क एवं जागरूक करें। अस्पतालों में सभी जरूरत नहीं, सजग एवं सतर्क रहें।
- उपकरण, बेड, ऑक्सीजन, मानव बल एवं अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं की उपलब्धता रखें। उन्होंने कहा कि कोविड सुमुचित व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु सोशल मैट्रिक्स एवं अन्य प्रवार माध्यमों से लोगों को कोरोना के प्रति सतर्क एवं जागरूक करें। अस्पतालों में सभी जरूरत नहीं, सजग एवं सतर्क रहें।

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना के बढ़ते मामले का खत्म करने का उपयोग करना चाहिए। इसके बाद नीतीश कुमार ने अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कोरोना की अवधारणा स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल में ओपरेटर के कई मामले देश में मिले हैं। बिहार में भी कोरोना के 2 ऐसे मामले आये हैं, जो राज्य में बाहर से आए लोगों में मिला है। उन्होंने बताया कि यह ओपरेटर बहुत घातक नहीं है। दोनों मरीज होम आसासेलेशन में हैं और स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना के इस नये ओपरेटर पर पूरी तरह सतर्क है और इसके बचाव के लिये सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं।

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना के बढ़ते मामले का खत्म करने का उपयोग करना चाहिए। इसके बाद नीतीश कुमार ने अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कोरोना की अवधारणा स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल में ओपरेटर के कई मामले देश में मिले हैं। बिहार में भी कोरोना के 2 ऐसे मामले आये हैं, जो राज्य में बाहर से आए लोगों में मिला है। उन्होंने बताया कि यह ओपरेटर बहुत घातक नहीं है। दोनों मरीज होम आसासेलेशन में हैं और स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना के इस नये ओपरेटर पर पूरी तरह सतर्क है और इसके बचाव के लिये सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने फोन पर सीएम नीतीश कुमार से की बात

एजेंसी/नई दिल्ली

इंडिया गठबंधन में अपनी भूमिका को लेकर नीतीश कुमार नाराज चल रहे हैं। सीपीएम और पीडीपी के भी गठबंधन छोड़ने की खबरें आ रही हैं। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस इन सब विवाद को खत्म करने का उपयोग कर रही है। इसके बाद नीतीश कुमार से बात की है। कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के फैसले को जल्द से जल्द अमल में लाने के लिए काम करने पर देखते हुए आरटीपीआर जांच की जरूरत नहीं है। कोविड के नियन्त्रित मानक प्रक्रिया के अनुरूप अस्पतालों में दवा, बेड, ऑक्सीजन का उपलब्धता रखने की बात जारी रखनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश में स्पष्ट किया गया है कि राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि कोविड के नियन्त्रित मानक प्रक्रिया के अनुरूप अस्पतालों में दवा, बेड, ऑक्सीजन का उपलब्धता रखने की बात जारी रखनी चाहिए।

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

एजेंसी/नई दिल्ली

शीतकालीन सत्र में 146 संसदीय के नियन्त्रण के विरोध में प्रतिक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के सीनियर नेताओं ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मलिलकार्जुन खरों, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और गठबंधन के नियन्त्रण के लिए फैसले के बढ़ते मामलों को संघर्षित किया। उन्होंने संसदों के नियन्त्रण की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब अच्छा कानून आता है तो हम समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार जो कानून आता है उन्होंने बीजेपी और केंद्र सरकार को नाम खटकाया है। वह सभी लोगों को यह कहा रहा है कि देश को यहला दालत करना चाहिए।



मलिलकार्जुन खरों ने कहा, हमारे संघर्षित तहत, हर किसी नेतृत्व को बोलने का खत्म किया जाए। वह आजादी हमको नियन्त्रण की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब अच्छा कानून आता है तो हम समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार जो कानून आता है उन्होंने बीजेपी और केंद्र सरकार को नाम खटकाया है। वह सभी लोगों को यह कहा रहा है कि देश को यहला दालत करना चाहिए।

सितंबर में सीएम योगी के सख्त नियन्त्रण के बाद लंबित राजस्व वाद के नियन्त्रण में आयी तेजी

3 माह में 12.90 लाख वाद का सुनिश्चित किया गया नियन्त्रण

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लंबित राजस्व वादों के नियन्त्रण को लेकर सीएम योगी के सख्त नियन्त्रण का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। सीएम योगी के नियन्त्रण पर लंबित राजस्व वादों के त्वरित नियन्त्रण किए जाने के लिए किए गए प्रयत्नों के चलते विवर तीन माह में पिछले वर्ष की तुलने में तेजी देखने को मिला है। 16 सितंबर 2023 को कुल 19.57 लाख वाद लंबित थे एवं 16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023 के मध्य 6.59 लाख नए वाद इसमें शामिल हुए। इन सभी कुल 26.16 लाख वादों में से विवर 3 माह में कुल 12.90 लाख वादों (49 प्रतिशत) का नियन्त्रण सुनिश्चित किया गया है। 16 सितंबर 2023 को कुल 19.57 लाख वाद लंबित थे एवं 16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023 के मध्य 6.59 लाख नए वाद इसमें शामिल हुए। इन सभी कुल 26.16 लाख वादों में से विवर 3 माह में कुल 12.90 लाख वादों (49 प्रतिशत) का नियन्त्रण सुनिश्चित किया गया है।



आदित्यनाथ ने 16 सितंबर 2023 को पूरे प्रदेश में लंबित राजस्व वादों के त्वरित विवरण के लिए जारी किया गया, जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 89.43 हजार वादों का नियन्त्रण किया गया जो कि विवर वर्ष के इन्हीं 3 माह के औसत नियन्त्रण 20.70 हजार के सापेक्ष लगभग 4 गुना है। इसी तरह, 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष में धारा-116 (कुर्ता बद्वारा) के कुल 2.79 लाख वादों के सापेक्ष 81.16 हजार वादों का नियन्त्रण किया गया, जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 1.10 लाख वादों का नियन्त्रण किया गया जो कि विवर वर्ष के इन्हीं 3 माह के औसत नियन्त्रण 20.3 हजार के सापेक्ष लगभग 5 गुना है।

89.43 हजार पैमाणश के मामले भी सुलझाए गए

15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष में धारा-24/41 (पैमाणश) के कुल 1.95 लाख वादों के सापेक्ष 83 हजार वादों का नियन्त्रण किया गया, जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 89.43 हजार वादों का नियन्त्रण किया गया जो कि विवर वर्ष के इन्हीं 3 माह के औसत नियन्त्रण 20.70 हजार के सापेक्ष लगभग 4 गुना है। इसी तरह, 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष में धारा-116 (कुर्ता बद्वारा) के कुल 2.79 लाख वादों के सापेक्ष पूरे वर्ष का नियन्त्रण 104.2 प्रतिशत रहा, जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 1.10 लाख वादों के सापेक्ष मात्र 3 माह की अवधि का नियन्त्रण 19.6 प्रतिशत रहा।

इन विवराओं के कुल 47.25 लाख वादों (59 प्रतिशत) का नियन्त्रण किया गया। 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष म

